● पढ़ो, समझो और लिखो :

८. टीटू और चिंकी

– डॉ. विमला भंडारी

परिचय : आप संवेदना से कहानीकार, मन से बाल साहित्यकार और सक्रियता से सामाजिक कार्यकर्ता है ।
प्रस्तुत कहानी में यह बताया गया है कि हमें सदैव मिलजुलकर रहना चाहिए तथा संकट के समय एक दूसरे का साथ देना चाहिए ।

मैं कौन ?

* चित्रों के आधार पर वाक्य बनाओ :

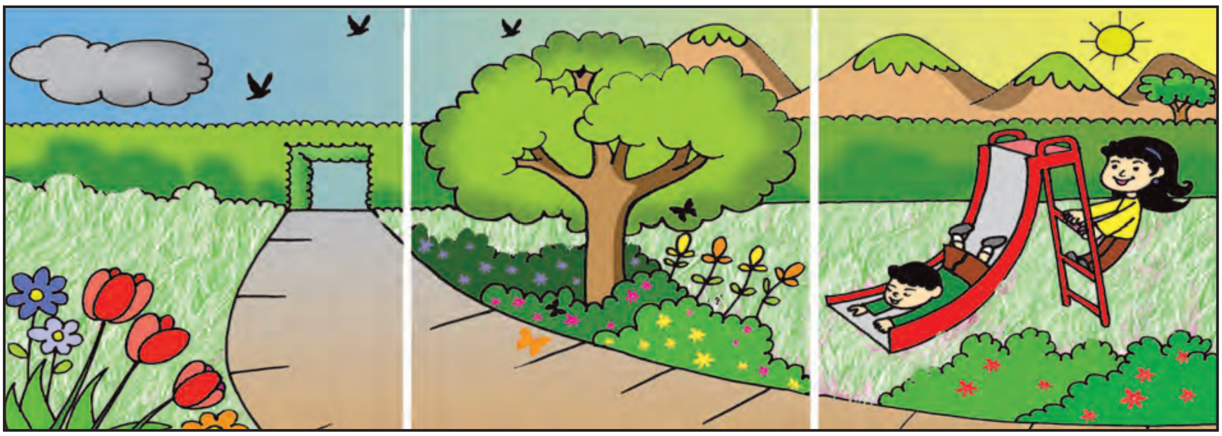

टीटू गिलहरी और चिंकी चिड़िया दोनों पड़ोसिन थीं। टीटू का घर पेड़ की खोखल में था और चिंकी का घोंसला पेड़ की शाखाओं पर। चिंकी जब दाना चुगने जाती तब टीटू सभी बच्चों का ध्यान रखती । एक दिन बच्चे आपस में झगड़ने लगे। टीटू के बच्चों का कहना था कि पेड़ उनका है । चिंकी के बच्चे भी यही बात दोहरा रहे थे कि पेड़ उनका है । लड़ते-लड़ते बच्चों में झगड़ा बढ़ गया। ''हम पड़ोसी हैं । हमें मिल जुलकर रहना चाहिए...'' टीटू उन्हें समझाने लगी! ''किंतु माँ चिंकी चिड़िया के बच्चे फलों को जूठा कर देते हैं। भला हम जूठे फल क्यों खाएँ जबकि पेड़ हमारा है ।'' टीटू के बच्चे मिंटू ने कहा । ''तुम कैसे कह सकते हो कि यह पेड़ तुम्हारा है ?'' चिंकी के बच्चे रिंकी ने प्रश्न किया ।

''हम पेड़ के तने में रहते हैं । हमारा जन्म इसी खोखल में हुआ । पेड़ का तना हमारा तो शाखाएँ भी हमारी। शाखाएँ हमारी तो फल भी हमारे।'' टीटू के बच्चों ने जवाब दिया। यह सुन चिंकी के बच्चे फुर्र से उड़कर शाखाओं पर जा बैठे और कहने लगे ''पेड़ हमारा है। इसकी टहनियों पर हमारा बसेरा है । इसपर

❑ विद्यार्थियों से चित्रों के आधार पर प्रश्न पूछें । वाक्य बनाने की प्रक्रिया एवं रचना के आधार पर वाक्यों के प्रकार (सरल, संयुक्त, मिश्र वाक्य) उदाहरण सहित समझाएँ । कहानी से इस प्रकार के वाक्य ढूँढ़कर लिखवाएँ, तथा दृढ़ीकरण होने तक अभ्यास करवाएँ ।

खोजबीन

विलुप्त होते हुए प्राणियों तथा पक्षियों की जानकारी प्राप्त करके सूची बनाओ ।

हमारा नीड़ बना हुआ है जिसमें हमने आँखें खोलीं। हम तुम्हें टहनियों तक नहीं आने देंगे और न ही इसके फल खाने देंगे ।'' टीटू गिलहरी यह सुन बड़ी परेशान हुई । बच्चे लड़ाई पर उतारू थे और एक-दूसरे को पेड़ से भगाना चाहते थे ।

टीटू गिलहरी उन्हें समझाने लगी-''बच्चो, बात उस समय की है जब तुम लोगों का जन्म हुआ ही था और चिंकी ने अंडे दिए अभी एक दिन भी नहीं गुजरा था कि आसमान में अँधेरा छा गया । तेज हवाएँ चलने लगी । डर के मारे चिंकी शोर मचाने लगी। उसे डर था कि शाखाएँ हिलने से उसका घोंसला नीचे गिर जाएगा। फिर उसमें रखे अंडें भी गिरकर फूट जाएँगे। तब मैंने और चिंकी ने मिलकर अंडों को खोखल में सुरक्षित रख दिया। अभी कुछ देर हुई थी कि पानी बरसने लगा ।

पानी इतना बरसा कि नीचे बहता हुआ पानी हमारे घर तक पहुँचने लगा। हमें फिर चिंता होने लगी । हमारा घर डूब गया तो यह पानी बच्चों, अंडों को बहा ले जाएगा । तब मैंने और चिंकी ने मिलकर सभी को घोंसले में पहुँचाया फिर हम दोनों ने पत्तों से घोंसले को ढँक दिया। जैसे-तैसे रात बीती । सुबह पौ फटने के बाद हमने राहत की साँस ली । तब से अब तक हम अच्छे पड़ोसियों की तरह आपस में मदद करते आए हैं । तब हमने समझ लिया कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता ।''

बच्चे कहने लगे, ''चिंकी चिड़िया को यह पेड़ छोड़ना होगा । अपने बच्चों के साथ कहीं ओर चली जाए।'' चिंकी के बच्चे भी यही बात अपनी माँ के सामने दोहरा रहे थे। दोनों की माताएँ समझा-समझाकर थक गईं पर बच्चे नहीं माने । अपनी-अपनी जिद पर अड़े रहे। अंत में टीटू और चिंकी दोनों ने पेड़ छोड़ने का मन में विचार बना लिया । उधर बिल में छिपा साँप कब से यह तमाशा देख रहा था । आज उचित मौका देखकर वह बाहर निकला और पेड़ पर चढ़ने लगा। उसने सोचा, पहले गिलहरी के बच्चों को निगलेगा। तभी चिड़िया ने देख लिया। वह जोर से चिल्लाई, ''सावधान टीटू बहन, साँप ऊपर आ रहा है । अपने बच्चों को बचाना। उन्हें मेरे घोंसले में छिपा दो ।'' कहने के बाद वह पेड़ के तने पर चोंच मारने लगी ।

❑ विद्यार्थियों से कहानी का मुखर वाचन करवाएँ । कहानी के पात्रों के बारे में पूछें, चर्चा करें । उनसे अपने शब्दों में कहानी कहलवाएँ तथा कहानी से प्राप्त होने वाली सीख बताने के लिए कहें । उन्हें अभयारण्य की जानकारी दें तथा उनसे अभयारण्यों की सूची बनवाएँ।

विचार मंथन

।। जीवदया ही भूतदया है ।।

लगी । जहाँ–जहाँ चिंकी की चोंच लगी पेड़ से गाढ़ा चिपचिपा दूध बहने लगा। चिपचिपे गोंद के कारण साँप का पेड़ पर चढ़ना मुश्किल होने लगा । इधर टीटू ने एक–एक कर सभी बच्चों को चिंकी के घोंसले में पहुँचा दिया । चिंकी के साथ उसके बच्चे भी मदद कर रहे थे । हालाँकि अभी उनकी चोंचें नरम थीं । थक–हारकर साँप वापस बिल में लौट गया ।

टीटू और चिंकी के बच्चों ने एकता की ताकत को देख लिया था और साथ ही में पड़ोसी धर्म को भी समझ लिया था । अब उन्हें माँ के समझाने की जरूरत नहीं थी । वे जान गए कि एक और एक ग्यारह होते हैं ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

✲ नए शब्द

खोखल = पेड़ के तने में बना हुआ बड़ा छेद, कोटर

बसेरा = घर/आवास   मौका = अवसर

परेशान = त्रस्त   तना = पेड़ का निचला भाग

आसमान = आकाश

✲ मुहावरे

एक और एक ग्यारह होते हैं = एकता में शक्ति होती है

भाषा की ओर

विरामचिह्न रहित अनुच्छेद में विरामचिह्न लगाओ ।
(, , !, ।, ?, -, ¯ , ‘ ’ , “ ”)

काबुलीवाले ने पूछा बिटिया अब कौन सी चूड़ियाँ चाहिए मैंने अपनी गुड़िया दिखाकर कहा मेरी गुड़िया के लिए अच्छी सी चूड़ियाँ दे दो जैसे लाल नीली पीली

(यह अनुच्छेद काबुलीवाला कहानी से है ।)

सुनो तो जरा

विभिन्न पशु-पक्षियों की बोलियों की नकल सुनाओ ।

बताओ तो सही

अपने साथ घटित कोई मजेदार घटना बताओ ।

वाचन जगत से

उपन्यास सम्राट प्रेमचंद की कोई एक कहानी पढ़ो । उसका विषय बताओ ।

मेरी कलम से

'बाघ बचाओ परियोजना' के बारे में जानकारी प्राप्त कर लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

प्राणियों का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है ।

जरा सोचो ..... चर्चा करो

यदि प्राणी नहीं होते तो ...

✻ कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखो ।

स्वयं अध्ययन

'दूरदर्शन चैनल' पर दिखाए जाने वाले किसी अनोखे जीव की जानकारी प्राप्त करो ।

अध्ययन कौशल

KN12F6

✻ चित्रों को पहचानकर जलचर, नभचर, थलचर और उभयचर प्राणियों में वर्गीकरण करो ।